24 / 03 / 82 की अव्यक्त वाणी

पर आधारित योग अनुभूति

ब्राह्मण जीवन की विशेष धारणा

पवित्रता का अनुभव

>> मैं ब्राह्मण आत्मा हूं

- मैं ब्राह्मण जीवन की सूक्ष्म परिभाषा समझ रही हूं
  - → पवित्रता की शक्ति को
    - ग्रहण कर रही हूँ
  - → पवित्रता की धारणा को
    - सदा काल के लिए अपने जीवन में अपना रही हूँ
  - → और यह सम्पूर्ण पवित्रता, मुझे अपने जीवन में
    - सदा सुख और सदा शांति
    - का अनुभव करवा रही है
  - → ब्रह्मचर्य धारण करने के साथ साथ
    - ब्रह्मा आचार्य का स्वरूप भी बनती जा रही हूँ

>> मैं ब्रह्मा मुख वंशावली ब्राह्मण हूं

- मैं ब्रह्मा बाप के आचरण पर चलने वाली ब्राह्मण हूं
- मैं शिव बाप के उच्चारण पर चलने वाली ब्राह्मण हूं
- ब्रह्मा बाप का हर कर्म उदाहरण है मेरे लिए
  - → मैं अपना कर्म रूपी हर कदम
    - ब्रह्मा बाप के कदम पर रख रही हूं
- ब्रह्मा आचार्य का चित्र मेरे सम्मुख है
  - → सदा सुख की शय्या पर विराजमान
  - → सदा शांत स्वरूप में विराजमान
  - → सदा प्रसन्न चित्त
  - → सदा हर्षित
  - → 'पाना था सो पा लिया'
    - यह गुनगुनाता हुआ चित्र

>> मैं फालो फादर करने वाली ब्राह्मण

- चेक कर रही हूं
  - → कहां तक पवित्रता को मैंने अपनाया है
- मैं योग युक्त आत्मा बाबा की याद में
  - → बाबा की शक्तियों को स्वयं में भर रही हूं
  - → मैं हर व्यर्थ संकल्प से मुक्त हो रही हूं
    - कोई हलचल नहीं है
    - सदा शांत हूं
  - → मैं हर क्यों क्या के क्वेश्चन से
    - ऊपर उठ रही हूं
  - → मैं ड्रामा को जान
    - हर किसी के पार्ट से उपराम हो रही हूं
  - → मैं उलझन मुक्त हूं

→ मैं निर्विघ्न हूं
→ मेरे मनसा संकल्प शक्तिशाली हैं
→ मैं संपूर्ण एकाग्र हो गई हूं
→ सुख और शांति
▪ मेरे जीवन के अभिन्न अंग बन रहे हैं
→ पुराने विकार
▪ छत्रछाया बन रहे हैं
→ मैं भी ब्रहमा बाप समान
▪ सुख की शैया पर हूं
▪ मैं सदा हर्षित हूं

>> मैं हर पल सुख स्वरूप शांत स्वरूप आत्मा
»_» विश्व सेवा पर हूं
»_» संपर्क में आने वाली हर आत्मा की
→ विशेषता देख रही हूं
»_» संपर्क में आने वाली हर आत्मा को
→ शुभ भावना भेज रही हूं
»_» मैं हर आत्मा को
→ सुख की किरणों का
→ शांति के किरणों का
→ शीतलता की किरणों का
▪ अनुभव करा रही हूं

>> मैं लाइट स्वरूप आत्मा
»_» सर्च लाइट स्वरूप बन गई हूं
»_» मैं निमित्त हूं प्रकृति को पावन बनाने के लिए
→ अपनी शुद्ध वृत्ति द्वारा
→ पवित्र मनसा द्वारा
→ पवित्र किरणें प्रकृति की ओर प्रवाहित कर रही हूं
▪ प्रकृति पावन बन रही है
▪ प्रकृति शांत हो रही है
▪ प्रकृति परिवर्तित हो रही है
»_» मैं प्रकृति जीत आत्मा हूं

>> मैं धारणा स्वरूप हूं
»_» स्व का परिवर्तन कर रही हूं
»_» अन्य आत्माओं का परिवर्तन कर रही हूं
»_» प्रकृति का परिवर्तन कर रही हूं
»_» मैं प्रकृति जीत आत्मा
»_» मैं ब्रहमा मुख वंशावली ब्राहमण हूं
»_» मैं भी ब्रहमा बाप समान हूं
»_» मैं परम पवित्र ब्राहमण आत्मा हूं